शराब कारोबारी को हनीट्रैप में फंसाकर मांग रहे थे 1 करोड़ रुपए

हितेंद्र सिंह चौहान | जयदीप दीक्षित

- पुलिस ने मिशन सीक्रेट में पकड़ा हनीट्रैप गिरोह
- दो महिलाओं सहित 5 धराए, इंटेलिजेंस का हेड कॉन्स्टेबल भी साजिश में शामिल

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के एक प्रमुख शराब कारोबारी को हनीट्रैप में फंसाकर 1 करोड़ रुपए की उगाही करने वाले गिरोह का क्राइम ब्रांच ने पर्दाफाश किया है. मिशन सीक्रेट चलाकर पुलिस ने महिला मास्टरमाइंड समेत 5 आरोपियों को हिरासत में लिया है. आरोपियों में दो महिलाओं और इंटेलिजेंस ब्रांच का हेड कांस्टेबल भी शामिल हैं.

आरोपियों ने प्रॉपर्टी साझेदारी के नाम पर जाल बिछाया और मना करने पर अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी थी. मामले में इंटेलिजेंस ब्रांच के हेड कॉन्स्टेबल की भूमिका भी सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बाणगंगा निवासी 45 वर्षीय कारोबारी हितेंद्र सिंह चौहान की शिकायत पर कार्रवाई की गई. आरोपी महिला अलका दीक्षित ने अपने साथियों के साथ मिलकर कारोबारी को हनीट्रैप में फंसाया और अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 1 करोड़ रुपए की मांग की.

पुलिस जांच में सामने आया कि अलका ने चौहान की मुलाकात प्रॉपर्टी कारोबारी लाखन चौधरी से करवाई थी. लाखन ने साझेदारी के नाम पर दबाव बनाया और मना करने पर ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी. कुछ दिन पहले सुपर कॉरिडोर पर आरोपियों ने कारोबारी के साथ मारपीट की और गोली मारने की धमकी भी दी. मामले की शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने मिशन सीक्रेट तैयार किया और 40 जवानों की 7 टीमें बनाकर द्वारकापुरी और पीथमपुर में एक साथ दबिश दी गई. कार्रवाई में अलका दीक्षित, उसका बेटा जयदीप, लाखन चौधरी, श्वेता विजय जैन और हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा को हिरासत में लिया गया.

हेड कांस्टेबल ने ही दी थी ब्लैकमेलिंग की सलाह

जांच में यह भी सामने आया कि इंटेलिजेंस ब्रांच का हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा आरोपियों के संपर्क में था और उसने ही ब्लैकमेलिंग की सलाह दी थी. पुलिस ने उसका मोबाइल और लैपटॉप जब्त कर लिया है. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अलका पर 17 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह पहले शराब तस्करी, फिर ड्रग नेटवर्क से भी जुड़ चुकी है. फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है.

श्वेता जैन पहले भी हनीट्रैप में जा चुकी है जेल

आरोपी श्वेता विजय जैन का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है. वह साल 2019 के चर्चित हनीट्रैप मामले में जेल जा चुकी है. पुलिस के मुताबिक, श्वेता इससे पहले इंदौर नगर निगम के दिवंगत इंजीनियर हरभजन सिंह को भी अपने जाल में फंसा चुकी है. आरोप है कि श्वेता ने उनके निजी फोटो और वीडियो के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया था. इस मामले के सामने आने के बाद शहर में हड़कंप मच गया था. पुलिस को आशंका है कि श्वेता लंबे समय से संगठित तरीके से हनीट्रैप गिरोह चला रही है और अलग-अलग लोगों को निशाना बनाकर उगाही करती रही है.

जिम के नीचे पटाखा गोदाम में लगी आग, युवाओं ने कूदकर बचाई जान

- पटाखों के साथ डेकोरेशन का सामान और एक दर्जन वाहन खाक
- फायर ब्रिगेड टीम ने 35 हजार लीटर पानी से पाया काबू

नव भारत न्यूज

इंदौर. नायता मुंडला स्थित पटाखा गोदाम में लगी आग में एक कार और तीन बाइक जलकर राख हो गई. गोदाम मालिक रवि का पटाखों के साथ डेकोरेशन का सामान भी पूरी तरह जल कर राख हो गया.

नायता मुंडला इलाके में सनावदिया रोड स्थित पटाखा गोदाम में मंगलवार शाम अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आग इतनी तेजी से फैली कि पास खड़ी एमपी 09 डीएन 4982 नंबर की कार और कई दो पहिया वाहन इसकी चपेट में आकर जलकर राख हो गईं. दमकल अधिकारी ने बताया कि गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे और डेकोरेशन का सामान रखा था. आग लगते ही पटाखे फूटने लगे और रॉकेट इधर-उधर जाने लगे, जिससे हालात और भयावह हो गए. आग की लपटें ऊपर बने जिम तक पहुंच गईं और पूरे इलाके में धुआं फैल गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पटाखा गोदाम एक जिम के निचले हिस्से में बना हुआ था. जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस समय जिम के अंदर कई युवा वर्कआउट कर रहे थे. आग की लपटें और धुआं देखकर जिम में मौजूद युवाओं में हड़कंप मच गया और उन्हें अपनी जान बचाने के लिए जिम की खिड़कियों और ऊंचाई से नीचे कूदना पड़ा.

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद करीब 35 हजार लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया. इस दौरान पास खड़े एक आयशर वाहन को समय रहते हटा लिया गया, जिससे वह बच गया. फायर ब्रिग्रेड के एसआई संतोष दुबे ने बताया कि आग में एक कार और तीन मोटरसाइकिलें पूरी तरह जल गईं, वहीं कुछ अन्य दो पहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए. गोदाम में रखा पटाखा और डेकोरेशन का पूरा सामान खाक हो गया है. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया. फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, हालांकि शुरुआती तौर पर पटाखे के रॉकेट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, मामले की जांच जारी है.

प्रशासनिक कार्रवाई के डर से छुपाकर रखा था अवैध बारूद

शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि गोदाम संचालक ने प्रशासन की हालिया सख्ती और कार्रवाई से बचने के लिए पटाखों के इस बड़े स्टॉक को यहां छुपाकर रखा था. इस रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्र में पूरी तरह से अवैध तरीके से पटाखों का भंडारण किया गया था. गौरतलब है कि देवास की पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण हादसे के बाद से ही इंदौर प्रशासन लगातार मुस्तैद है और विभिन्न पटाखा फैक्ट्रियों तथा गोदामों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है. प्रशासनिक अधिकारी लगातार सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर सील करने की कार्रवाई कर रहे हैं. इसी डर की वजह से गोदाम मालिक ने गुपचुप तरीके से माल को इस बेसमेंट जैसी जगह पर डंप किया हुआ था.

दो कारों की भीषण टक्कर में युवक की मौत, 3 गंभीर घायल

- तेजाजी नगर बायपास ओवरब्रिज पर ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा

नव भारत न्यूज

इंदौर. तेजाजी नगर बायपास ओवरब्रिज पर देर रात ओवरटेक के दौरान दो तेज रफ्तार कारों की आमने-सामने टक्कर में 22 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन युवक गंभीर घायल हैं.

हादसा देर रात उस वक्त हुआ जब दो कारें तेज रफ्तार में ब्रिज पर चढ़ रही थीं. इसी दौरान दोनों चालकों के बीच एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लग गई. ओवरटेक के प्रयास में दोनों ने नियंत्रण खो दिया और कारें आमने-सामने टकरा गईं. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कारों के अगले हिस्से पूरी तरह चकनाचूर हो गए. हादसे में एक कार में सवार रंगवासा निवासी 22 वर्षीय प्रथम पिता अनिल को सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, उसके साथी चेतन निवासी मालीखेड़ी, कृष्णा निवासी सांवेर और दूसरी कार का चालक युवराज निवासी सांवेर गंभीर रूप से घायल हो गए.

कटर और लोगों की मदद से कार से बाहर निकाला घायलों को

घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. सूचना मिलते ही तेजाजी नगर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने कटर और स्थानीय लोगों की मदद से कारों में फंसे घायलों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और हादसे की जांच की जा रही है.

अवैध शराब और पिस्टल के साथ आरोपी गिरफ्तार

इंदौर. अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में पुलिस ने दबिश देकर एक आरोपी को अवैध शराब और बिना लाइसेंस पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और आबकारी एक्ट में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अन्नपूर्णा पुलिस ने गायत्री नगर में मुखबिर की सूचना पर दबिश दी. कार्रवाई के दौरान शुभम कदम उम्र 28 साल निवासी गायत्री नगर को पकड़ा. तलाशी में आरोपी के कब्जे से करीब 12 लीटर अंग्रेजी शराब की 20 बोतलें और एक अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई. आरोपी पिस्टल का कोई वैध लाइसेंस पेश नहीं कर सका. थाना प्रभारी हित गोपाल यादव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है. बरामद शराब की कीमत करीब 30 हजार रुपए और पिस्टल की कीमत करीब 20 हजार रुपए बताई गई है.

एक नजर में

शराब दुकानों के आसपास हो रही खुलेआम शराबखोरी पर कार्रवाई

महू. शहर की शराब दुकानों के आसपास शाम ढलते ही सजने वाली खुले आसमान की महफिलों पर आखिरकार पुलिस की नजर पड़ ही गई. लंबे समय से छोटी कलाली, सिमरोल ओव्हरब्रिज, तोपखाना वाइन शॉप और बस स्टैंड क्षेत्र में शराब लेकर सड़कों, पुलों और अंधेरे कोनों में जाम छलकाने वालों की बढ़ती भीड़ आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही थी. मंगलवार को पुलिस ने इसी अव्यवस्था पर सख्ती दिखाते हुए पैदल मार्च निकालकर शराबियों और लापरवाह दुकानदारों को चेतावनी दे डाली. एसडीओपी ललित सिंह सिकरवार और महू थाना प्रभारी राहुल शर्मा पुलिस बल के साथ सीधे उन इलाकों में पहुंचे, जहां शाम होते ही ओपन बार जैसा माहौल बनने लगता है. सिमरोल रोड ओवरब्रिज के नीचे स्थित तोपखाना वाइन शॉप के आसपास अंधेरे में बैठे लोगों को पुलिस ने मौके से भगाया. कई लोग पुलिस को देखते ही गिलास और बोतल छोड़कर भागते नजर आए. पुलिस ने शराब दुकानदारों को भी साफ शब्दों में समझाइश दी कि दुकान के बाहर शराब लेकर खड़े रहने वालों को रोका जाए. क्योंकि अक्सर दुकान के आसपास ही जाम छलकाने से राहगीरों, महिलाओं और स्थानीय रहवासियों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है. अभियान के दौरान कुछ लोगों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई भी की गई.

अर्पण, तर्पण और समर्पण सनातन धर्म के मुख्य आधार : पं. विपुल

महू. कोदरिया में पुरषोत्तम मास के शुभ अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पधार रहे हैं. कथा को पं. विपुल महाराज श्रवण करा रहे हैं. कथा में सनातन धर्म विषय का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए महाराज श्री ने बताया कि सनातन धर्म के प्रमुख आधार हैं अर्पण, तर्पण और समर्पण. हमें जो भी भगवान ने दिया है, हम भगवान को अर्पण करें. अपने पितरों का तर्पण करें और अपने सुख-दु:ख उन्हें समर्पण करें. हमारा जीवन सफल है, भगवान की कथा हमें व्यथा से बचाती है. इसलिए हमें नित कथा, सत्संग लाभ लेते रहना चाहिए, कथा में भक्त प्रहलाद का चरित्र बताते हुए महाराज श्री ने बताया कि आज की शिक्षा संस्कार विहीन हो गई है, आज के बच्चे प्रणाम करने में शर्माते हैं, ऐसे में आगे सनातन धर्म की रक्षा कैसे होगी. हमें बच्चों में यह संस्कार बचपन में ही देने चाहिए, तभी कल्याण संभव है. कथा में शिव विवाह भी उत्साह के साथ मनाया गया. बुधवार को कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा. व्यास पीठ का पूजन, अरुण जोशी, लीला जोशी, गौरव शर्मा, जनकेश्वर जोशी, पवन शर्मा आदि ने किया.

ट्रैफिक व्यवस्था बदहाल : रोज हो रही दुर्घटनाएं

महू. नगर में ड्रीमलैंड चौराहा से डीएसओआई चौराहे तक शहनाई गार्डन के पास स्थित चौराहे पर यातायात व्यवस्था बदहाल हो गई है. यहां वाहनों के एक साथ क्रॉसिंग करने के कारण प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से महू, पीथमपुर और मानपुर की ओर जाने वाली बसें, बड़े ट्रक, टाटा मैजिक सहित भारी और दो पहिया वाहन बड़ी संख्या में गुजरते हैं. लगातार बढ़ते यातायात दबाव के कारण चौराहे पर वाहनों की आवाजाही अनियंत्रित हो जाती है. चौराहे पर न तो पर्याप्त यातायात संकेतक लगाए गए हैं और न ही वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय किए गए हैं. इसी अव्यवस्था के चलते वाहन आपस में टकरा जाते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. रहवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द स्पीड ब्रेकर और आवश्यक यातायात संकेत लगाने की मांग की है. उनका कहना है कि यदि समय रहते इस व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो किसी भी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है. इस संबंध में यातायात सूबेदार विनोद यादव ने कहा कि संबंधित विभाग से चर्चा कर छोटे स्पीड ब्रेकर बनाने पर विचार किया जाएगा, ताकि दुर्घटनाएं होने से रोका जा सके.

आईपीएल का ऑनलाइन सट्टा चलाने वाला धराया

इंदौर. तिलक नगर पुलिस ने आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी मोबाइल के जरिए सट्टा आईडी बेचकर कमीशन कमा रहा था. जोन- 2 पुलिस के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तिलक नगर पुलिस को यह सफलता मिली. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने स्कीम नंबर 140 स्थित खाली मैदान के पास दबिश दी, जहां एक युवक मोबाइल के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहा था. पुलिस ने मौके से राकेश सागर उम्र 46 साल निवासी शालीमार पाम्स को गिरफ्तार किया. पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पिछले एक महीने से आईपीएल मैचों पर सट्टा खेलाने के साथ आईडी बेचकर कमीशन ले रहा था. जांच में आरोपी के पास से गूगल कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया. मोबाइल की जांच में सट्टा संचालन से जुड़ी ऑडियो रिकॉर्डिंग, व्हाट्सएप चैट और गेम की लिंक मिली, जिससे ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क संचालित किया जा रहा था. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा के तहत केस दर्ज कर लिया है.

खजराना में बच्चों की लड़ाई में चली गोली, दो गिरफ्तार

- गोली पैर में लगने से पड़ोसी युवक घायल

नव भारत न्यूज

इंदौर. खजराना क्षेत्र में बच्चों के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. कहासुनी के बीच एक पक्ष ने देशी कट्टे से फायर कर दिया, जिसमें पड़ोसी युवक घायल हो गया. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

खजराना थाना क्षेत्र के अशरफी नगर में देर रात यह घटना हुई. घायल की पहचान वसीम के रूप में हुई है, जो आरोपी पक्ष के घर के सामने ही रहता है. जानकारी के मुताबिक बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर दोनों परिवार आमने सामने आ गए. देखते ही देखते विवाद बढ़कर मारपीट में बदल गया. इसी दौरान आरोपियों ने तैश में आकर देशी कट्टा निकालकर वसीम पर फायर कर दिया. गोली उसके पैर में जा लगी, जिससे वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा. देर रात गोली चलने की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए. घटना के बाद घायल युवक को परिजन तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है. वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे. सूचना मिलते ही खजराना पुलिस सक्रिय हुई और घेराबंदी कर दोनों मुख्य आरोपी इरशाद और साहिल को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है.

आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस द्वारा आरोपियों की पृष्ठभूमि खंगालने पर यह जानकारी सामने आई है कि मुख्य आरोपी इरशाद का स्वभाव काफी उग्र है और उस पर पूर्व में भी मारपीट, लड़ाई-झगड़े तथा शांति भंग करने के आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं. वह इलाके में पहले भी कई बार विवाद कर चुका है. दूसरी तरफ, पैर में गोली लगने से घायल हुए वसीम का अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में इलाज जारी है. डॉक्टरों के अनुसार गोली को पैर से निकाल दिया गया है और फिलहाल उसकी हालत स्थिर तथा खतरे से बाहर बताई जा रही है. पुलिस मामले में आगे की कानूनी कानूनी कार्रवाई कर रही है.

जांच में जुटी पुलिस

एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक पुलिस की प्रारंभिक जांच और पूछताछ में यह बात साफ हो गई है कि आरोपी इरशाद ने वारदात को अंजाम देने के लिए जिस देसी कट्टे का इस्तेमाल किया था, वह पूरी तरह से अवैध था. पुलिस अब इस बात की कड़ाई से जांच कर रही है कि आरोपी यह अवैध देसी कट्टा कहां से खरीदकर लाया था, इसे इंदौर में सप्लाई करने वाला कौन था और उसने इस खतरनाक हथियार को अपने पास किस आपराधिक उद्देश्य से छिपाकर रखा हुआ था.

मोबाइल हैक कर युवक के खाते से उड़ाए 98 हजार रुपए

- साइबर फ्रॉड : सिर्फ 3 मिनट में आरोपी ने लगा दिया चूना

इंदौर. डिजिटल दौर में साइबर अपराधी ठगी के नए-नए और बेहद शातिर तरीके अपना रहे हैं. इस बार जालसाजों ने गांधी नगर थाना क्षेत्र के बड़ा बांगड़दा स्थित नरसीमुंजी कॉलेज के पास एक युवक के मोबाइल को रिमोट एक्सेस या मालवेयर के जरिए हैक कर लिया और पलक झपकते ही उसके बैंक खाते में सेंध लगा दी.

घटना गांधी नगर थाना अंतर्गत बड़ा बांगड़दा क्षेत्र की है. फरियादी अमित पिता मनोहर टेमरे निवासी इमली बाजार ने थाने पहुंचकर साइबर फ्रॉड की लिखित शिकायत दर्ज कराई है. अमित ने पुलिस को बताया कि गत 23 अप्रैल को जब वह नरसीमुंजी कॉलेज, बड़ा बांगड़दा के पास मौजूद था, तभी अचानक उसका मोबाइल फोन हैक हो गया. महज दो से तीन मिनट के लिए उसके मोबाइल की स्क्रीन पूरी तरह बंद हो गई और फोन ने काम करना बंद कर दिया. उस वक्त अमित को लगा कि यह कोई सामान्य तकनीकी खराबी है. अगले दिन यानी 24 अप्रैल को सुबह करीब 7 बजे जब अमित ने अपने दैनिक कार्यों के दौरान अपने बैंक खाते का बैलेंस चेक किया, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई. उसके खाते से 98,008/- रुपए गायब थे. अमित ने तुरंत अपने बैंक स्टेटमेंट और मैसेज चेक किए. अमित ने पुलिस को बताया कि उसने खुद अपनी मर्जी से किसी को भी इस तरह का कोई ट्रांजैक्शन नहीं किया था.

मोबाइल हैक कर बैकग्राउंड में बैंकिंग क्रेंडेंशियल्स चुराया

जांच करने पर पता चला कि यह पूरी रकम मकवाना गीतावेन करणभाई नामक किसी खाते में ट्रांसफर हुई है. मोबाइल हैक कर बैकग्राउंड में बैंकिंग क्रेंडेंशियल्स चुराकर इस वारदात को अंजाम दिया गया था. गांधी नगर थाना पुलिस ने फरियादी अमित टेमरे की शिकायत और तकनीकी दस्तावेजों के आधार पर अज्ञात साइबर अपराधी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है. पुलिस की साइबर सेल टीम इस यूपीआई आईडी, ट्रांजैक्शन रूट और संबंधित बैंक खाते की डिटेल खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह खाता कहां संचालित हो रहा है और धोखाधड़ी की रकम किस एटीएम या वॉलेट से निकाली गई है.

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 की तैयारियां तेज

- इंदौर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नव भारत न्यूज

इंदौर. ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के तहत इंदौर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय बैठकों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा रही है. पुलिस अधिकारियों ने एयरपोर्ट पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और टैक्सी ड्राइवरों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए.

भारत की अध्यक्षता में होने वाले ब्रिक्स समिट 2026 के मद्देनजर इंदौर में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है. शहर में आने वाले अंतरराष्ट्रीय मेहमानों की सुरक्षा को देखते हुए मंगलवार को इंदौर विमानतल पर विशेष निरीक्षण किया. इस दौरान डीसीपी जोन-01, एडीसीपी जोन-01, एसीपी मल्हारगंज और थाना प्रभारी एरोड्रम ने पुलिस बल के साथ एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान सीआईएसएफ कमांडेंट भी मौजूद रहे.

अधिकारियों ने एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा प्रबंधन, आवागमन व्यवस्था और संवेदनशील बिंदुओं की समीक्षा की. साथ ही टैक्सी ड्राइवरों की बैठक लेकर उन्हें यात्रियों के साथ व्यवहार, सुरक्षा और सतर्कता को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त की जा रही हैं.

एक नजर में ईंधन महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ने का असर खाद्य पदार्थों, सब्जियों और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर साफ दे रहा दिखाई

पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से बढ़ने लगी महंगाई, जनता चिंतित

इंदौर. बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल के दामों में हालिया वृद्धि ने आम जनता की चिंता और बढ़ा दी है. ईंधन महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ने का असर खाद्य पदार्थों, सब्जियों और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर साफ दिखाई देने लगा है. इंदौर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हाल ही में करीब 3.90 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है. वर्ष 2020 में पेट्रोल लगभग 80 रुपए और डीजल 70 रुपए प्रति लीटर था. वर्ष 2022 में पेट्रोल बढ़कर 108 रुपए और डीजल 93 रुपए तक पहुंच गया. वर्तमान में पेट्रोल करीब 110 रुपए और डीजल 95 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है. ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक असर मध्यमवर्ग, किसानों और छोटे व्यापारियों पर पड़ता है. परिवहन लागत बढ़ने से फल सब्जियां दूध अनाज निर्माण सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं महंगी होते जा रही हैं. आम जनता को देखते हुए सरकार अपनी भूमिका और भी बेहतर कर सकती थी, क्योंकि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में केंद्र और राज्य सरकारों के करों का बड़ा हिस्सा शामिल होता है. सरकार चाहे तो उत्पाद शुल्क और वैट में कमी कर आम जनता को राहत दे सकती है. विशेषज्ञों का मानना है कि करों में संतुलन और पारदर्शी नीति से महंगाई के दबाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

यह बोले आम नागरिक...

पहले ही घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था. अब पेट्रोल-डीजल महंगा होने से सब्जी, दूध, राशन और बच्चों की स्कूल फीस तक का बोझ बढ़ेगा. आम गृहिणियों को हर महीने बजट संभालना और ज्यादा कठिन हो जाएगा.
– पूजा रघुवंशी, ग्रहणी

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से नौकरीपेशा और छोटे व्यापारियों की परेशानी बढ़ेगी. आने वाले दिनों में परिवहन खर्च बढ़ने से हर जरूरी सामान महंगा होगा, जिससे परिवार का मासिक बजट बिगड़ेगा और बचत करना नामुमकिन हो जाएगा.
राजकुमार, आम नागरिक

सरकार के वादे के मुताबिक महंगाई घटी नहीं, बल्कि और बढ़ गई है. ईंधन के दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्टर्स को सही भाड़ा नहीं मिलेगा और यदि भाड़ा बढ़ा तो हर वस्तु की कीमत आसमान छूएगी और महंगाई की मार आम जनता भुगतेगी.
– संजय अरोड़ा, प्रदेशाध्यक्ष, मप्र ट्रांसपोर्ट महासंघ